

is taking appropriate action. An enquiry into the working of the Polytechnics is not considered necessary by the Delhi Administration.

Gazetted Officers serving in Delhi Polytechnics

5217. SHRI RAM SWARUP VIDYARTHI : Will the Minister of EDUCATION AND YOUTH SERVICES be pleased to state :

(a) the number of permanent Gazetted Officers serving in the Polytechnics in Delhi ;

(b) when was the first officer declared permanent ;

(c) whether he had been rejected twice by the U. P. S. C. and not found suitable for the post which he still continues to hold ;

(d) if so, the reasons why he is being allowed to hold the post of promotion on *ad hoc* basis ; and

(e) whether this post is proposed to be filled through U. P. S. C. ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF EDUCATION AND YOUTH SERVICES (SHRI BHAKT DARSHAN) : (a) Six at present.

(b) On 15th December, 1967, as Head of Mechanical Engineering Department.

(c) and (d). The Officer concerned is a permanent Head of Mechanical Engineering Department and was selected by UPSC in June, 1962 for this post. He is now officiating as Principal on *ad hoc* basis pending selection by promotion on regular basis from amongst eligible candidates by the Departmental Promotion Committee. He was not selected earlier by UPSC, when the post of Principal was filled by direct recruitment. The present post falls within the promotion quota.

(e) According to the recruitment rules, some posts are to be filled by direct recruitment and the remaining posts by promotion from amongst the eligible candidates. As this post comes under the quota of promotion, the matter will be considered by D.P.C. The Chairman of the Departmental promotion Committee is a member of U. P. S. C.

दिल्ली तथा कलकत्ता में परिवहन व्यवस्था के विकास के लिए सहायता

• 5218. श्री श्रींकार लाल बैरवा : क्या पोतपरिवहन तथा परिवहन मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या चालू वित्तीय वर्ष के दौरान अब तक दी गयी अनुदानों के अतिरिक्त योजना आयोग के अध्ययन दल ने दिल्ली के लिए एक करोड़ रुपये तथा कलकत्ता की परिवहन व्यवस्था के विकास के लिए 2.20 करोड़ रुपये के अतिरिक्त अनुदान की सिफारिश की है, और

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में अब तक क्या कार्यवाही की गई है तथा इस बारे में भावी योजना क्या है ?

पोतपरिवहन तथा परिवहन मन्त्रालय में उपमन्त्री (श्री इकबाल सिंह) : (क) योजना आयोग द्वारा नियुक्त महानगरीय परिवहन सेवाओं के कार्य दल ने सिफारिश की है कि दिल्ली परिवहन उपक्रम के लिए चालू वर्ष के लिए की गई व्यवस्था में एक करोड़ रुपये की और कलकत्ता राज्य परिवहन निगम की व्यवस्था में 60 लाख की वृद्धि की जानी चाहिए।

(ख) जहां तक दिल्ली परिवहन उपक्रम का सम्बन्ध है, उस उपक्रम को एक करोड़ रुपये का एक और ऋण दिया जा रहा है जिससे वह 100 अतिरिक्त बसें खरीद सकेगा। कलकत्ता राज्य परिवहन निगम का जहां तक सम्बन्ध है, उसकी चालू वित्तीय वर्ष की आवश्यकताओं को भारत के औद्योगिक विकास बैंक से लिए गये ऋणों, कलकत्ता महानगरीय जिले की 1970-71 की वार्षिक योजना में पहले ही की गयी व्यवस्था और इस प्रक्रिया के अंतर्गत साधनों से पूरा किया जायेगा।